[This question paper contains 2 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 3584 **FC** **Your Roll No.....**

Unique Paper Code : 12135907

Name of the Paper : Ancient Indian Polity

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit (GE)**

Semester : I

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 75
पूर्णांक : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, प्रश्नपत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. प्राचीन भारतीय राजशास्त्र के विभिन्न स्रोतों की विवेचना कीजिए। (15)

   Discuss the various sources of ancient Indian polity.

   अथवा / or

   "धर्मशास्त्र" के अनुसार राजा की दिव्य उत्पत्ति के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

   Discuss the divine origin theory of the king according to the 'Dharmaśāstra'.

2. प्राचीन भारत में राज्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। (15)

   Explain the concept of State in Ancient India.

   अथवा / or

'ऐतरेय ब्राह्मण' में निरूपित राज्य के भेदों की विवेचना कीजिए।

Discuss the types of state described in 'Aitareya Brāhmaṇa'.

3. 'धर्मशास्त्र' के आधार पर प्राचीन भारत में राजपद की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। (6+6+6=18)

Describe the concept of Kingship in ancient India on the basis of 'Dharmaśāstra'.

अथवा / or

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **three** of the following :

सप्तांग राज्य की अवधारणा	:	'Saptānga' theory of State
बौद्धसाहित्य में गणराज्य	:	Republics in Buddhist Literature
शुक्रनीति में मन्त्रिपरिषद्	:	Council of Ministers in Śukraniti—
रामायण में 'पौर-जानपद' सभा	:	'Paura-Jānapada' Assembly in Rāmāyāṇa
अथर्ववेद में 'सभा' और 'समिति'	:	'Sabhā' and 'Samiti' in Atharvaveda
लोक सेवक के रूप में राजा	:	King as a Public Servant

4. प्राचीन भारतीय विधिशास्त्र के विविध स्रोतों की विवेचना कीजिए। (12)

Explain various types of sources of ancient Indian law.

अथवा / or

प्राचीन भारतीय न्यायतन्त्र के प्रमुख के रूप में राजा के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

Discuss the king as Head of the judicial system of ancient India.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5+5=15)

Write short notes on any **three** of the following :

स्थानीय आचार 'जानपदधर्म'	:	Local Customs 'Jānapadadharma'
कुलधर्म	:	Family Traditions
सामाजिक एवं स्थानीय न्यायालय	:	Social and Local Courts
'अर्थशास्त्र' के अनुसार आय के स्रोत	:	Sources of Income according to 'Arthaśāstra'
धर्मविरूद्ध करनीति	:	Unlawful Taxation Policy
अन्तर्राज्यीय मण्डल सिद्धान्त	:	Inter-state 'Maṇḍala' theory